विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

मासिक रिपोर्ट

जुलाई, 2023

I. मास के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्राप्त प्रमुख उपलब्धियां:

क. प्रमुख उपलब्धियां

अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान विधेयक, 2023

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत वैधानिक निकाय के रूप में राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान (एनआरएफ) की स्थापना करने के उद्देश्य से संसद में अनुसंधान राष्ट्रीय शोध प्रतिष्ठान विधेयक, 2023 की पुर: स्थापना को अनुमोदित किया ।

जी-20 के अनुसंधान मंत्रियों की बैठक

माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने जी 20 अनुसंधान मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता की, जो 4-6 जुलाई 2023 के दौरान मुंबई में आयोजित की गई । बैठक में जी-20 के 27 सदस्यों, आमंत्रित अतिथि देशों के अनुसंधान मंत्रियों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों सहित 107 विदेशी प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान "परिणाम दस्तावेज और चेयर्स समरी " जारी किया गया, जिसमें समावेशी और सतत विकास को संभव करने के लिए अनुसंधान और नवोन्मेष की महत्वपूर्ण भूमिका की फिर से पुष्टि की गई और 21 वीं सदी की बदलती दुनिया में अनुक्रिया करने और कल की चुनौतियों पर ध्यान देने के लिए अनुसंधान और नवोन्मेष तंत्रों को रूपांतरित करने वाले प्रत्येक प्रयास को सहायित करने का संकल्प लिया गया ।

स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय (सीईएम) बैठक

14 वीं स्वच्छ ऊर्जा मंत्रिस्तरीय (सीईएम) और 8 वीं मिशन नवोन्मेष (एमआई) बैठक 19 से 21 जुलाई, 2023 के दौरान गोवा में आयोजित की गई। "स्वच्छ ऊर्जा में मिलजुलकर प्रगति" विषय के तहत, इस कार्यक्रम ने उच्च-स्तरीय गोलमेज सम्मेलनों, साइड इवेंट्स और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को आयोजित किया जिसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा के इस्तेमाल में तेजी लाना था। इस आयोजन ने उन नीतियों और कार्यक्रमों के विकास को प्रोत्साहित किया जो दुनिया भर में स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी और उत्पाद/सेवा को आगे बढ़ाते हैं और इसने सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, निजी क्षेत्र की संस्थाओं, शिक्षाविदों, इनोवेटर्स, नागरिक समाज और नीति निर्माताओं सहित वैश्विक हितधारकों में साथ-साथ काम करने का भाव पैदा किया है।

इंटरनेशनल यूनियन फॉर क्वाटरनेरी रिसर्च कांग्रेस-2027 लखनऊ में आयोजित की जाएगी

बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी), लखनऊ के वैज्ञानिकों ने रोम, इटली में 13-20 जुलाई, 2023 के दौरान आयोजित 21 वीं आईएनक्यूयूए (इंटरनेशनल यूनियन फॉर क्वाटरनरी रिसर्च) कांग्रेस-2023 में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया। बीएसआईपी की प्रस्तुति के बाद, रोम, इटली में आईएनक्यूयूए परिषद ने घोषणा की कि भारत 2027 (आईएनक्यूयूए -2027) में अंतर्राष्ट्रीय चतुष्क संघ की 22 वीं कांग्रेस की मेजबानी करेगा। भारत में सम्मेलन पिछले 95 वर्षों में पहली बार आयोजित किया जाएगा और यह भारतीय ऐतिहासिक और सांस्कृतिक आश्चर्यजनक वस्तुओं को प्रदर्शित करने का अवसर सृजित करेगा और वैज्ञानिकों को पृथ्वी की उद्भव प्रक्रिया और चतुष्क अनुसंधान में भारत की प्रगति का सम्यक बोधन कराएगा ।

ख. <u>जी-20 गतिविधियाँ</u>

- मुंबई में आयोजित जी-20 अनुसंधान मंत्रियों की बैठक के दौरान, मंत्रियों ने और सतत ऊर्जा सामग्री; वर्तुल जैव-अर्थव्यवस्था; ऊर्जा संक्रमण पारिस्थितिकी-नवोन्मेष; और सतत नीली अर्थव्यवस्था, जो भारत की अध्यक्षता के दौरान जी 20 आरआईआईजी के प्राथमिकतावाले विषय थे; के क्षेत्रों में अनुसंधान और नवोन्मेष सहयोग को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया;अनुसंधान मंत्रियों ने सामाजिक और वैश्विक चुनौतियों पर ध्यान देने वाले उत्पाद/सेवा विकसित करने के लिए इन क्षेत्रों में खुले, न्यायसंगत और सुरक्षित वैज्ञानिक सहयोग के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- मंत्रिगण शेरपा ट्रैक के तहत अनुसंधान नवोन्मेष पहल सभा (आरआईआईजी) को औपचारिक कार्य समूह यानी जी 20 अनुसंधान और नवोन्मेष कार्य समूह (आरआईडब्ल्यूजी) की स्थिति में प्रतिष्ठित करने की सिफारिश करने पर सहमत हुए।

जी 20 विज्ञान 20 शिखर सम्मेलन

- डीएसटी ने 21-22 जुलाई 2023 के दौरान कोयंबटूर में आयोजित विज्ञान20 शिखर सम्मेलन को सहायित किया और उसकी मेजबानी की।जी 20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 100 प्रतिनिधियों (35 विदेशी प्रतिनिधियों और 65 भारतीय) ने शिखर सम्मेलन में भाग लिया। एस 20 विनियोजन समूह का प्राथमिक उद्देश्य नीति निर्माताओं को विज्ञान-आधारित सलाह और सिफारिश यह सुनिश्चित करते हुए प्रदान करना है, कि विनिश्चय वैज्ञानिक सहमति के आधार पर किए जाते हैं।

ग. <u>समाज के लिए विज्ञान</u>

- अंतर्राष्ट्रीय चूर्ण धात्विकी और नव सामग्री उन्नत अनुसंधान केंद्र (एआरसीआई), हैदराबाद को **आविष्कार संक्रमण धातु-आधारित सौर वरणात्मक अवशोषक लेपित सब्सट्रेट** और उसी के निर्माण की विधि से संबंधित अनुप्रयोग का पेटेंट 20/07/2023 को प्रदान किया गया।

- प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान एवं मूल्यांकन परिषद (टीआईएफएसी), नई दिल्ली ने 'वायरलेस संचार के उपयोग से धात्विक वस्तु पहचानकारी उपकरण', 'नाइट्रोजन लेवल सेंसिंग उपकरण' और 'नवीन हर्बल ऑब्ट्यूरेटिंग सामग्री और उसकी प्रक्रिया' नामक 03 पेटेंट प्रदान करने का काम सुकर किया ।

- आघारकर अनुसंधान संस्थान (एआरआई), पुणे ने निर्दिष्ट पत्रिकाओं में **4 पेपर प्रकाशित** किए और **एक भारतीय पेटेंट** प्रदान किया गया है।

- श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम(एससीटीआईएमएसटी) को उनके द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों के लिए तीन पेटेंट प्रदान किए गए।
- भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (आईएनएई) ने **"स्टार्टअप के विशेष संदर्भ में उद्यमिता और कौशल विकास"** विषयक दो दिवसीय एसईआरबी-आईएनएई **कार्यशाला** का आयोजन लद्दाख में किया।

- राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (एनआईएफ), भुवनेश्वर ने ओडिशा के राज्य स्तरीय पुरस्कार विजेताओं के लिए इंस्पायर अवार्ड्स -मानक2021-22 के तहत दो दिवसीय मेंटरशिप कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान, प्रतिभागियों ने इंजीनियरिंग में विभिन्न प्रक्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ अपनी परियोजनाओं पर चर्चा की।

- **नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी), मोहाली ने अपने पहले 'हैकाथॉन' चैलेंज** का शोध विद्वानों की टीमों के बीच खुली प्रतियोगिता आयोजन किया, जिसका उद्देश्य नैनो-विज्ञान और नैनो टेक्नोलॉजी के माध्यम से उद्योग प्रासंगिक उत्पाद/सेवा उपलब्ध कराना है।
- उत्तर पूर्वी प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग एवं प्रसार केन्द्र(नेक्टर) के बांस और गन्ना विकास संस्थान (बीसीडीआई), अगरतला ने मेघालय के कारीगरों के लिए **बांस की बोतल बनाने** पर 15 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। नेक्टर ने **ड्रोन डेटा अर्जन और प्रक्रमण (डीडीएपी) पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण** का भी आयोजन किया।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उच्च अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी), गुवाहाटी ने किण्वित आहार और पेय पदार्थों के निर्माण पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।

- श्री चित्रा तिरुनाल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम (एससीटीआईएमएसटी) ने प्रौद्योगिकी सूचना, पूर्वानुमान और मूल्यांकन परिषद (टाइफेक), नई दिल्ली की सहायता से त्रिवेंद्रम में **हेल्थकेयर और मेडिकल युक्ति की अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी विषयक दो दिवसीय विचारोत्तेजक कार्यशाला** का आयोजन किया।

- नैनो एवं मृदु पदार्थ विज्ञान केंद्र(सीईएनएस) ने कॉलेज के छात्रों के लिए प्रसार कार्यक्रम का आयोजन किया।

- भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) ने विदेशों में गैर-आईएससी (अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद) प्रायोजित सम्मेलनों में भाग लेने के लिए ग्यारह भारतीय वैज्ञानिकों को सहायित किया।

- जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (जेएनसीएएसआर), बैंगलोर ने शोधकर्ताओं को कॉन्फोकल और सुपर-रिज़ॉल्यूशन माइक्रोस्कोपी और इसके अनुप्रयोग और कई अन्य बायो इमेजिंग क्षेत्रों में प्रशिक्षित करने के लिए बायो-इमेजिंग कार्यशाला का आयोजन किया।
- विज्ञान प्रसार ने अपनी मासिक प्रमुख **द्विभाषी विज्ञान पत्रिका ड्रीम 2047 का** जुलाई 2023 संस्करण प्रकाशित किया। विज्ञान प्रसार ने तमिल (अरिवियल पलागई) और बांग्ला (बिग्यान कथा) में मासिक विज्ञान समाचार पत्र और बांग्ला में दो लोकप्रिय विज्ञान पुस्तकें विज्ञान पंचशत और आलोकविद्यार इतिकथा प्रकाशित की है।

घ. <u>प्रौद्योगिकी विकास</u>

- मिशन कार्यालय, एनएम-आईसीपीएस ने आईआईआईटी हैदराबाद, आईआईटी इंदौर, आईआईटी रोपड़ और आईआईएससी बैंगलोर में स्थापित प्रौद्योगिकी नवोन्मेष केंद्रों (टीआईएच) की गतिविधियों की वर्तमान प्रगति की समीक्षा और आकलन करने के लिए साइट का दौरा किया। आईआईटी कानपुर में टीआईएच की समीक्षा की योजना 31.07.2023 को बनाई गई। मिशन कार्यालय द्वारा सभी 25 टीआईएच द्वारा की गई गतिविधियों पर त्रैमासिक बुलेटिन-जुलाई, 2023 का प्रकाशन किया गया, जिसमें उनकी उपलब्धियों की मुख्य विशेषताएं बताई गईं।

- आईआईटी कानपुर और आईआईटी मद्रास में टीआईएच ने गुड़गांव में आयोजित एनएफटी, एआई और मेटवर्स के युग में साइबर अपराध और सुरक्षा पर जी 20 सम्मेलन में अपने स्टार्ट-अप के माध्यम से भाग लिया।

- रमन अनुसंधान संस्थान (आरआरआई), बंगलौर ने सूचित किया कि आरआरआई और इसरो के बीच सहयोगशील परियोजना के रूप में, एक्सपोसैट उपग्रह का पर्यावरणीय (थर्मो-वैक्यूम) परीक्षण, कंपन परीक्षण और ध्वनिक परीक्षण जिसमें आरआरआई द्वारा परिकल्पित, रूपांकित और निर्मित पोलिक्स पेलोड शामिल है, यूआरएससी, इसरो में सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

ड. <u>मानव क्षमता वर्धन</u>

- **इंस्पायर अवार्ड्स- मिलियन माइंड्स ऑगमेंटिंग नेशनल एस्पिरेक्शंस एंड नॉलेज (मानक) योजना** के तहत केरल और कर्नाटक में राज्य स्तरीय पुरस्कार विजेताओं के लिए 02 मेंटरशिप कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

- **विभाग की इंस्पायर छात्रवृत्ति योजना** के तहत 1105 छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए 4.72 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई और विद्वानों के फैलोशिप के लिए 1.08 करोड़ रुपये जारी किए गए।

- **विज्ञान ज्योति योजना** के अंतर्गत राज्यों के जवाहर नवोदय विद्यालयों के छात्रों के लिए टिंकरिंग कार्यशालाएं, विज्ञान शिविर, रोल मॉडल सत्र, अध्ययन परिदर्शन और व्याख्यान आयोजित किए गए।

च. <u>अंतर्राष्ट्रीय सहयोग</u>

भारत-अमेरिका संयुक्त स्वच्छ ऊर्जा अनुसंधान एवं विकास केंद्र (जेसीईआरडीसी) कार्यक्रम के तहत सहायित**"स्मार्ट डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम विथ स्टोरेज (यूआई-असिस्ट) के लिए अमेरिका-भारत सहयोग** नामक परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए 12 जुलाई, 2023 को भारत-अमेरिका संयुक्त समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

अर्जेंटीना के साथ द्विपक्षीय बैठक

- 24 जुलाई, 2023 को केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने अर्जेंटीना में सांता फ़े प्राविन्स के गवर्नर उमर एंजेल पेरोटी के साथ बैठक की।भारतीय प्रतिनिधिमंडल में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के सचिव डॉ राजेश एस गोखले और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के महानिदेशक डॉ एन कलाईसेल्वी शामिल थे। अर्जेंटीना के प्रतिनिधिमंडल में सांता फे में दो प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों के अध्यक्ष, प्राविन्स के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपति और भारत में अर्जेंटीना के राजदूत श्री ह्यूगो गोबी शामिल थे।

- बैठक के दौरान, दोनों देशों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और उद्योग के प्रतिनिधिमंडलों को शामिल करते हुए व्यापक वार्ता आयोजित करने पर सहमति व्यक्त की। इन चर्चाओं के केंद्र में भारत और अर्जेंटीना के बीच सहयोग और साझेदारी वर्धन था।

- भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, क्वांटम कम्प्यूटेशन और जैव-एंजाइमों में सहयोग करने में रुचि व्यक्त की। भारत के महत्वपूर्ण स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें संस्थागत, विश्वविद्यालयी और बहुपक्षीय मंचों सहित विभिन्न स्तरों पर संयुक्त अध्ययन और सहयोग की क्षमता को प्रदर्शित किया गया।

ब्रिक्स कार्य समूह की बैठक

9 और 10 जुलाई 2023 को, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग (आईसीटी और एचपीसी पर डब्ल्यूजी) पर ब्रिक्स कार्य समूह की 7 वीं बैठक चीन में हुई। भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्री आशीष कुवेलकर और डॉ मनोज खरे ने भारत की उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग (एचपीसी) पहल, विशेष रूप से राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, प्रस्तुत की। भारत सरकार की देखरेख और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा कार्यान्वित इस प्रमुख परियोजना का उद्देश्य पूरे भारत में एचपीसी बुनियादी ढांचे की स्थापना करना, राष्ट्रीय हित के अनुप्रयोगों को चलाना, और एचपीसी अनुप्रयोगों और सिस्टम प्रशासन पर प्रशिक्षण प्रदान करना है।

ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक संगोष्ठी

ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक संगोष्ठी और ब्रिक्स यंग इनोवेटर पुरस्कार 31 जुलाई से 2 अगस्त 2023 तक दक्षिण अफ्रीका के पूर्वी केप के क्यूबेरहा में आयोजित किए गए। सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय सातत्य, शिक्षा का भविष्य, मानसिकता और कौशल सेट और समाज के भविष्य जैसे विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया। कार्यक्रम के दौरान, भारत के 25 युवा शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों ने अन्य ब्रिक्स देशों के प्रतिभागियों के साथ अपने शोध कार्य साझा किए।

भारत-दक्षिण अफ्रीका संयुक्त समिति की बैठक

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवोन्मेष में सहयोग पर 13 वीं संयुक्त समिति की बैठक (जेसीएम) 12 जुलाई, 2023 को हुई। बैठक के दौरान, दोनों पक्ष खगोल विज्ञान, आधारभूत नवोन्मेष और स्वास्थ्य विज्ञान के क्षेत्र में अपने चल रहे सहयोग को मजबूत करने के लिए सहमत हुए।इसके अलावा, उन्होंने केंद्रित अनुसंधान और विकास संयुक्त परियोजनाओं, कार्यशालाओं और शोधकर्ताओं के आदान-प्रदान के माध्यम से स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, ग्रीन हाइड्रोजन, और कृषि जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग शुरू करने का निर्णय लिया।

भारत-नीदरलैंड संयुक्त कार्य समूह बैठक

7 जुलाई 2023 को, भारत और नीदरलैंड ने नई दिल्ली में संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक की सफलतापूर्वक सह-अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, दोनों देशों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अपने मौजूदा सहयोग पर अद्यतन स्थिति प्रकट की। वे अपने सहयोग को मजबूत करने और वाह! (जल, कृषि और स्वास्थ्य) कार्यसूची पर केंद्रित कार्यनीतिक साझेदारी स्थापित करने पर पारस्परिक रूप से सहमत हुए। वाह! एजेंडा ज्ञान और नवोन्मेष की ऐसी मूल संरचना है जो प्रमुख सक्षम प्रौद्योगिकियों (केईटी) की सहायता से पानी, कृषि और स्वास्थ्य पर केंद्रित है।

भारत-जापान सहयोगशील विज्ञान कार्यक्रम (आईजेसीएसपी)

5 जुलाई 2023 को, भारत-जापान सहयोगशील विज्ञान कार्यक्रम (आईजेसीएसपी), 2022 के तहत 15 संयुक्त परियोजना प्रस्तावों और 2 कार्यशाला प्रस्तावों के संयुक्त चयन के परिणाम घोषित किए गए।इस सहयोगशील पहल में भारत से विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) और जापान से जापान सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस) शामिल थे। चयनित परियोजनाओं में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जीवन विज्ञान और कृषि, गणित और कम्प्यूटेशनल विज्ञान, खगोल विज्ञान और पृथ्वी विज्ञान, सामग्री और

इंजीनियरिंग के साथ-साथ कोविड-19 से संबंधित अनुसंधान (कोविड से पहले और बाद दोनों) सहित विभिन्न वर्गों के क्षेत्रों को शामिल किया गया।

छ. <u>वैज्ञानिक अनुसंधान</u>

- वाडिया हिमालाय भूविज्ञान संस्थान (डब्ल्यूआईएचजी) ने 2 डी और 3 डी विद्युत प्रतिरोधकता टोमोग्राफी अध्ययनों का उपयोग करके **श्री बद्रीनाथ मंदिर के पीछे कई उथले गहराई वाले भूजल चैनलों की उपस्थिति** की पुष्टि की।
- बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान (बीएसआईपी), लखनऊ ने लद्दाख, भारत की चरम अवस्था में खनिज-सूक्ष्मजीवी इंटरैक्शन के परिणामस्वरूप सबएरियल रॉक वार्निश में प्राप्त कार्बनिक बायोमार्कर्स की प्रकृति का अध्ययन किया। यह चट्टान की सतहों के अनन्वेषित सतह हाइड्रोफोबिसिटी गुणों और सतहों पर माइक्रोबियल आसंजन में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालता है।

- आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एरीज) ने सूचित किया कि उनके वैज्ञानिकों के नेतृत्व वाली टीम ने अभिवर्धक न्यूट्रॉन तारों से उत्सर्जन का अभिकलन करने की नई कार्य पद्धति विकसित की है।

ज. <u>वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण</u>

- जियोडेसी और जियो इंफॉर्मेटिक्स के क्षेत्र में अकादमिक और अनुसंधान सहयोग के लिए सर्वे ऑफ इंडिया और आईआईटी-रुड़की के बीच 05-07-2023 को समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

- विभिन्न स्तरों पर भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों के ज्ञान और अनुकूलन क्षमता का वर्धन करने के लिए भू-स्थानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भू-नवोन्मेष चुनौती (तीन दिन) और 21 दिवसीय शीतकालीन / ग्रीष्मकालीन स्कूलों का संचालन करने में सक्षम भौगोलिक रूप से सुप्रसरित संगठनों से प्रस्ताव आमंत्रित करने के लिए कॉल फॉर प्रपोजल (सीएफपी) जारी किया गया। प्रस्तावों की ऑनलाइन प्राप्ति की अंतिम तिथि 12 अगस्त, 2023 है।

- सरकार के भीतर उपयुक्त संगठन की पहचान करने के उद्देश्य से विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई ताकि भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापित राष्ट्रीय भू-तकनीकी सुविधा केंद्र (एनजीएफ) की अवसंरचना को उचित और कुशल उपयोग के लिए सौंपा जा सके। एनजीएफ महत्वपूर्ण सुविधा है और इसे परीक्षण सुविधा के साथ-साथ कई उन्नत डेटा अर्जन यंत्रों के साथ भू-तकनीकी इंजीनियरी में अत्याधुनिक सुविधा के रूप में स्थापित किया गया ताकि सामग्री आदि की अपरूपण सामर्थ्य का अनुमान लगाया जा सके ।

- **विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स)**

  डीएसटी पर्स कार्यक्रम विषयक कार्यक्रम प्रबंधन बोर्ड (पीएमबी) की 18 वीं बैठक 14 और 15 जुलाई, 2023 को आयोजित की गई। अठारह विश्वविद्यालयों को पीएमबी के समक्ष प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया। पीएमबी ने सहायता के लिए विभिन्न प्रमात्रा में निधियों के साथ तेरह विश्वविद्यालयों को सहायित करने की सिफारिश पर्स के तहत की।

*****